A–0627

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DVS-103

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

गृह निर्माण विवेचन

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. दिशा के अनुसार राहुमुखपुच्छ से गृहारंभ का निर्णय कीजिए।
2. गृह निर्माण पंचांग शुद्धि के बारे में बताइए।
3. 32 प्रकार के द्वारों के शुभाशुभत्व का फल लिखिए।
4. गृहारंभ में विचारणीय वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।
5. नन्दादि इष्टिकाओं की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गृहारंभ में मास एवं पक्षशुद्धि का विचार कीजिए।
2. वृषभ वास्तुचक्र से आप क्या समझते हैं ? इसकी उपयोगिता को बताइए।
3. गृहप्रवेश में लग्नशुद्धि के महत्व को बताइए।
4. दिशा के अनुसार द्वारों का फल लिखिए।
5. देवालय वास्तु से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
6. वास्तुपुरुष की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।
7. नवीन गृहप्रवेश का मुहूर्त बताइए।
8. भूपरीक्षण के महत्व को बताइए।

****